अब जब खुशी की तलाश में हमारी मनोदशा अक्सर बदलती रहती है, तो अच्छे विचारों को तुरंत लागू करना चाहिए।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

उदाहरण के लिए, कभी-कभी आपको आध्यात्मिक संस्था को दान देने की इच्छा होती है। कभी आध्यात्मिक विषय पढ़ने का मन होता है। या कुछ अच्छा करने का विचार आता हैं। ऐसे समय आपको उन कार्यों को तुरंत करना आवश्यक है। यदि तुरंत नहीं किया जाता है, तो मन अपने मनोदशा को बदल देगा और बाद में दान आदि अच्छे कार्य नहीं होने देगा।

इसी तरह, आपको बुरे विचारों पर कभी भी तुरंत अमल नहीं करना चाहिए। दूसरों को नुकसान पहुंचाना, दूसरों को मारना, परनिंदा करना, किसीको झूठा दोषी ठहराते हुए अन्याय करना या पक्षपात करना, आदि पाप कार्यों को अन्य समय और दूसरी तारीख में ढकेल देना चाहिए। फिर से वही मनोदशा बदलने का नियम काम करता है। खराब मनोदशा बदलने पर आप पाप कार्य करने से बच जाएंगे।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

यही सलाह रावण ने मौत के बिस्तर पर लक्ष्मण को दी थी। जब रावण मर रहा था, तब भगवान राम ने अपने छोटे भाई लक्ष्मण से उससे शिक्षा लेने के लिए कहा। रावण ने सलाह दी, 'अच्छी योजनाओं को तुरंत लागू किया जाना चाहिए और बुरी योजनाओं को स्थगित कर देना चाहिए। मुझे देखो। मैंने देवी सीता को उठाने की बुरी योजना को तुरंत लागू किया और नतीजा यह है कि मैं मृत्युशैय्या पर हूं। मैंने लोगों के लाभ के लिए पृथ्वी से स्वर्ग तक एक सीढ़ी बनाने के लिए अपनी योजना में देरी

की और वो सीढ़ी कभी भी नहीं बनी। '

वेद यही बात कहता है। मत कहो, "मैं करूँगा, मैं करूँगा"। भगवान सम्बन्धी काम तुरंत शुरू करो। मनोदशा बदल जाएगी फिर भगवान सम्बन्धी कार्य नहीं सम्पन्न होगा। "मैं करूँगा, मैं करूँगा" करते करते मौत आ जाएगी। और मृत्यु के बाद आपके पास कुछ भी नही शेष रहेगा। मानव रूप के इस तरह के सुनहरे अवसर को बर्बाद करने के बाद आप बहुत पश्चाताप करेंगे। लेकिन "अब पछताए क्या होत है, जब चिड़िया चुग गई खेत।"

इसलिए जहा भी हो, जैसे भी हो; भगवान का स्मरण करना चाहिए। वहीं आपकी असली कमाई है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132